# सांध्य दैनिक 4PM

मैं जो भी हूं, या होने की आशा करता हूं, उसका श्रेय मेरी मां को जाता है।
-अब्राहम लिंकन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 289 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 26 नवम्बर, 2021



अमित शाह जी देखिए... मथुरा की बेटी... 8 | दागी विधायक देने में भाजपा... 3 | पिछड़ों का हक छीन रही भाजपा... 7


## हाथरस के बाद अब प्रयागराज कांड

# बेरहमी से मार दिये गये दलित परिवार के चार लोग

## विपक्ष ने कहा दलित सुरक्षित नहीं इस सरकार में

- यूपी में लगातार बढ़ रहा है दलितों पर अत्याचार
- प्रयागराज में दलित परिवार के चार लोगों की हत्या से दहल गया यूपी
- हाथरस में भी दलित लड़की से बलात्कार और मौत के बाद अफसरों के इशारे पर पेट्रोल डालकर फूंक दी गयी थी उसकी लाश

अमित कुमार श्रीवास्तव

लखनऊ। प्रयागराज के गोहरी गांव में दलित परिवार के चार लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। बदमाशों ने बेटे-बेटी समेत दंपति के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर मार दिया। वारदात से ग्रामीण आक्रोशित हैं और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं विपक्ष ने इस मामले में प्रदेश सरकार को निशाने पर लिया है। विपक्ष ने कहा कि प्रदेश में जंगलराज है और यहां दलित व महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।

प्रदेश में कानून व्यवस्था की पोल फिर खुल गयी है। हाथरस कांड के बाद अब प्रयागराज में हुई वारदात से हड़कंप मच गया है। यहां एक दलित दंपति, उसकी नाबालिग बेटी और बेटे की हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। फाफामऊ थाना क्षेत्र के गांव में इस सनसनीखेज वारदात को मंगलवार रात अंजाम दिया गया। दो दिन तक चारों शव घर में ही पड़े रहे और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। गुरुवार सुबह इसकी जानकारी मिलने पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर आईजी, डीएम, एसएसपी समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिंक और डाग स्क्वायड की टीम ने जांच पड़ताल की। मृतक के भाई की तहरीर पर गांव के 11 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने छह लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं आईजी राकेश सिंह ने इंस्पेक्टर फाफामऊ रामकेवल पटेल व सिपाही सुशील सिंह को निलंबित कर दिया है। वहीं शव की हालत देखकर लोगों ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म की आशंका जतायी है। प्रदेश में लगातार हो रही ऐसी वारदातों से कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। इसके पहले हाथरस में दलित युवती से रेप किया गया था और उसकी मौत हो गयी थी। पुलिस अफसरों के इशारे पर युवती के शव को परिवार की गैरमौजूदगी में पेट्रोल डाल कर जला दिया गया था।

"यूपी में पिछड़े और दलितों का लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है। जंगलराज चल रहा है। यह सरकार अन्याय और अत्याचार को ही बेहतर कानून व्यवस्था कह रही है। जनता इसका जवाब देगी।

सुनील सिंह साजन
एमएलसी, सपा

"प्रदेश में जंगलराज है। हाथरस या प्रयागराज जैसी घटनाओं से साफ है कि प्रदेश में आततायियों की सरकार है। जिस प्रदेश में महिलाएं और दलित सुरक्षित नहीं हों वहां सरकार को रहने का कोई हक नहीं है।

सुरेंद्र राजपूत
प्रवक्ता, कांग्रेस

"मोदी-योगी सरकार में जातिवादी अत्याचार चरम पर है, इन लोगों के मन में दलितों के प्रति बेहद द्वेषभाव है जो इनके शासन प्रशासन में ऐसी दिल दहलाने वाली घटनाओं के रूप में सामने आता रहता है। इस हत्याकांड के सभी दोषियों को तुरंत गिरफ्तार कर सजा दिलवाई जाए।

वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता, आप

"ये सरकार दलित विरोधी है। अपराधियों के साथ पुलिस भी आपराधिक वारदातों को अंजाम दे रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। आने वाले चुनाव में जनता इनको सबक सिखाएगी।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक
टीम आरएलडी

## पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

मृतक के परिजनों ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों ने कहा कि पुलिस से बार-बार अनहोनी की आशंका की शिकायत की गयी थी लेकिन पुलिस ने ध्यान नहीं दिया। परिजनों ने कहा कि भूमि विवाद में रंजिशन यह हत्या की गई। उन्होंने कहा कि सुशील कुमार और उनके समधी द्वारा लगातार धमकी दी जा रही थी। रंजिश में कई बार घर में घुसकर मारपीट भी की गई और गोली भी चली है। इसकी शिकायत पुलिस से भी की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस की लापरवाही का नतीजा है कि एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई।

## परिजनों से आज मिलेंगी प्रियंका

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा आज सोरांव विधानसभा के गोहरी गांव में पासी के परिजनों से भेंट करेंगी। मजदूरी करने वाले पासी, उनकी पत्नी, बेटे और बेटी की दबंगों ने मंगलवार देर रात कुल्हाड़ी से प्रहार से निर्मम हत्या की दी थी।

## क्या कहना है एसएसपी का

एसएसपी प्रयागराज सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने बताया कि फाफामऊ के घर से चार लोगों की हत्या हुई हैं। तीन शव आगे के कमरे में थे और एक लड़की का शव अंदर कमरे में था। सभी के सिर पर चोट के गंभीर निशान मिले हैं। इस मामले में दोषी पुलिस वालों पर भी जांच के बाद कठोर कार्रवाई की जाएगी। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

# यूपी में भाजपा की दो तिहाई बहुमत से होगी जीत : राजनाथ सिंह

## » सत्ता भोगने के लिए नहीं, देश को सशक्त बनाने के लिए सरकार बनाती है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कंधे पर हाथ रखकर गंभीर बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर पिछले दिनों खूब वायरल हुई। डीजीपी सम्मेलन में शामिल होने लखनऊ आए पीएम मोदी दो दिन के लखनऊ प्रवास पर थे। सीएम योगी को भले ही उस सम्मेलन में शामिल न होना हो, लेकिन प्रधानमंत्री से उनकी मुलाकात लगातार हुई। योगी ने मोदी से राजभवन पहुंचकर मुलाकात की। दोनों साथ बैठे थे, तस्वीर जारी हुई, लेकिन मुलाकात सामान्य और तस्वीर भी सामान्य। मगर, दोनों जिस ढंग से मिले, वह अचानक चर्चाओं में आ गई। जिसे जो समझ आया, उसके वैसे निहितार्थ निकाले जाने लगे।

इस फोटो पर विपक्ष ने खूब हल्ला बोला, लेकिन सभी के मन में एक ही सवाल था कि आखिर सीएम योगी के कंधे पर हाथ रखकर पीएम मोदी ने क्या बात की, इस तस्वीर में क्या गहराई छिपी हुई। पीएम मोदी और सीएम योगी की इस तस्वीर पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जो तस्वीर विरोधियों के बीच चर्चा में है, उसमें प्रधानमंत्री मोदी मुख्यमंत्री योगी से क्या कह रहे हैं ये मैं आपको बताता हूं। सीतापुर के मिलिट्री ग्रास फार्म पर अवध क्षेत्र के 13 जिलों

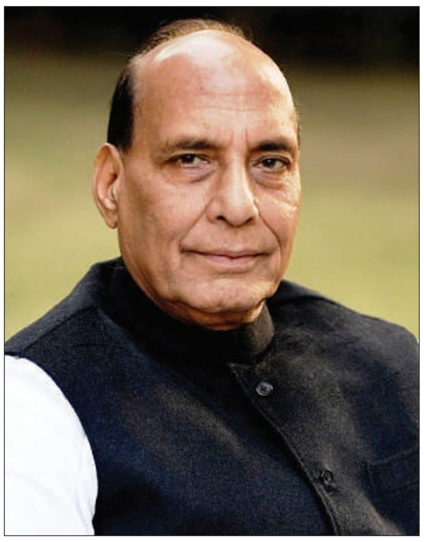

के 40 हजार से अधिक बूथ कार्यकर्ताओं को चुनावी जीत का मंत्र देने पहुंचे राजनाथ सिंह ने कहा प्रधानमंत्री कह रहे थे कि योगीजी धड़ाधड़ बल्लेबाजी करते जाओ, भाजपा को जिताओ...। राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा सत्ता भोगने के लिए नहीं, देश को सशक्त बनाने के लिए सरकार बनाती है। कई राजनीतिक दल सरकार बनाने के लिए जनता की आंखों में धूल झोंकते हैं, लेकिन भाजपा आंखों में आंखें डालकर काम करती है।

### अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत कमजोर नहीं, बन गया है ताकतवर देश

रक्षामंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि हमारे संकल्प पत्र में कोई ऐसी बात न आए, जिसे हम पूरा न कर सकें। हमने जो कहा, करके दिखाया। हमारी सरकार बनी तो अनुच्छेद 370 खत्म किया गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत कमजोर नहीं, ताकतवर देश बन गया है। सपा सरकार में मंत्रियों पर भ्रष्टाचार से दुष्कर्म तक के आरोप लगे। गुंडों-माफिया का बोलबाला था। अब योगी का नाम सुनकर तो गुंडों और माफिया की धड़कन बढ़ जाती है। कानून व्यवस्था बेहतर होने से लोग उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आ रहे हैं और यहां की धरती पर ब्रह्मोस मिसाइल से लेकर एसाल्ट राइफल तक बनेगी। रक्षामंत्री ने कहा कि चुनाव आते ही भारत के विभाजन के लिए जिम्मेदार जिन्ना का जिन्न सपा निकाल लाई है। इसका विरोध मुस्लिम भाइयों ने भी किया है।

उन्होंने कहा कि बर्तन में चावल पक रहा हो तो दो-चार दाने देखकर ही अंदाजा लग जाता है। सीतापुर में उत्साह देखकर यह विश्वास हो गया है कि उत्तर प्रदेश में चावल पका है और भाजपा को दो तिहाई बहुमत से जीत सुनिश्चित है।

# अति पिछड़ों को मुख्यधारा में लाने के लिए शिक्षा जरूरी : स्वतंत्र देव सिंह

## » भाजपा अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को आगे लाने को प्रयासरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

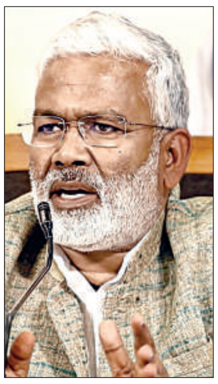

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा है कि अति पिछड़ा व अत्यंत पिछड़ों को मुख्य धारा में लाने के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। समाज के सभी लोग बच्चों को पढ़ाएं, ताकि इस समाज के लोगों का तेजी से विकास हो सके। गोमतीनगर स्थित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में अति व अत्यंत पिछड़े वर्ग के प्रतिनिधियों के सामाजिक सम्मेलन में सिंह ने कहा कि भाजपा समाज के सभी वर्गों का ख्याल रखती है, साथ ही अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को आगे लाने को प्रयासरत है।

जून, 2018 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न्यायमूर्ति राघवेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति का गठन किया था, उसे चुनाव से पहले लागू कराने की मांग हुई और जो दल इसका विरोध कर रहे हैं, उनकी आलोचना की गई। अति पिछड़ा वर्ग राष्ट्रीय परिषद के संयोजक सरजीत सिंह खंडसाल का दावा है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सम्मेलन में स्वीकारा की अति पिछड़ों को मुख्य धारा में लाने के लिए आरक्षण का वर्गीकरण किया जाना जरूरी है। खंडसाल ने यह भी बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जल्द ही मुख्यमंत्री से सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू करने की सिफारिश करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अति पिछड़ों की जनसंख्या करीब 10 करोड़ है, जो भी इसका विरोध करेगा उसे इन वर्गों के वोट से वंचित होना पड़ेगा।

# इस्तीफे के बाद मायावती ने शाह आलम पर साधा निशाना, कहा पार्टी पर लगाए आरोप निराधार

## » विधानमंडल दल के नेता के इस्तीफे के बाद मायावती ने उन पर लगाए कई आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले बसपा को एक बार फिर एक बड़ा झटका लगा है। बीते दिनों एक के बाद एक तमाम कद्दावर नेताओं के बाद बसपा के विधानमंडल दल के नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने भी बसपा से इस्तीफा दे दिया है। अब आजमगढ़ के मुबारकपुर विधानसभा से विधायक गुड्डू जमाली के इस्तीफे के बाद बसपा ने एक बड़ा खुलासा किया है।

बसपा की ओर से जारी बयान के मुताबिक, बीते दिनों शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली पर उनकी ही कंपनी में काम करने वाली एक महिला ने उनके चरित्र पर गंभीर आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज करा दी थी, जिसकी विवेचना अभी चल रही है।

इसी के चलते बसपा विधायक गुड्डू जमाली लगातार बसपा सुप्रीमो मायावती पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात कर इस मामले को रफा-दफा कराने का दबाव बना रहे थे। कहा गया है कि इस प्रकरण में बसपा द्वारा मदद न करने पर गुड्डू जमाली पार्टी छोड़ देने की धमकी दे रहे थे। बावजूद बसपा ने इस मामले में उनकी कोई मदद नहीं की, जिसके चलते गुड्डू जमाली ने मीडिया में बसपा छोड़ने का ऐलान किया है। बसपा सुप्रीमो मायावती की ओर से जारी प्रेस नोट में बताया गया है कि 'मीडिया से यह ज्ञात हुआ है कि बीएसपी एमएलए व विधानमंडल दल के नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है, जिसका खास कारण कुछ और नहीं बल्कि यह है कि इनकी कंपनी में एक लड़की काम करती थी, जिसने इन के चरित्र पर गंभीर आरोप लगाते हुए इनके विरुद्ध पुलिस में भी शिकायत दर्ज करा दी थी, जिसकी विवेचना अभी चल रही है। ऐसा इन्होंने मुझे खुद ही बताया था। इस घटना के बाद गुड्डू जमाली मुझ पर यूपी के मुख्यमंत्री से कहकर इस मामले को रफा-दफा कराने के लिए काफी दबाव बना रहे थे और इसके लिए मैंने उनको यही कहा खत्म कराने का दबाव बना रहे थे। बसपा प्रमुख की ओर से जारी बयान में यह भी कहा गया कि उन्होंने कहा कि यदि इस मामले में आपने मेरी मदद नहीं की, तो फिर मैं पार्टी व सभी पदों से त्यागपत्र दे दूंगा।

# देश और प्रदेश का सौभाग्य है कि मोदी व योगी जैसा नेता मिला : रीता बहुगुणा

## » सांसद ने विपक्ष पर किया बातों का हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। सौभाग्य से देश और प्रदेश को विकास पुरुष नेताओं की जोड़ी अर्थात मोदी व योगी मिले हैं। प्रधानमंत्री मोदी के सपने को धरती पर उतारने का कार्य योगी आदित्य नाथ कर रहे हैं। अब तक योगी आदित्यनाथ ने केंद्र की 44 योजनाओं को यूपी में बेहतर ढंग से लागू किया। इस कार्य से प्रदेश की छवि निखरी है। यह दावा इलाहाबाद सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी ने किया।

सांसद रीता जोशी ने कहा कि किसानों के हितों और विकास के लिए मोदी-योगी ने जितना कार्य किया किसी सरकारों में नहीं हुआ। जब किसान आंदोलन चल रहा था तो भी प्रयागराज के किसान भाजपा के साथ थे। विपक्ष पर हमला करते हुए डॉ. जोशी ने कहा कि तुम जिन्ना-पिन्ना कर महापुरुषों और देश

का अपमान करते रहो। हम विकास करते रहेंगे। जब-जब तुम्हारी पोथी खुलेगी घपला-घपला ही रहेगा, जिसका जनता जबाव देगी। भाजपा जिलाध्यक्ष यमुनापार विभवनाथ भारती ने कहा जितना कार्य आजादी के बाद योगी ने किया। अभी इतिहास में किसी सरकार ने किसानों के लिए नहीं किया। इसलिए आप किसानों को भी 2022 में भी भाजपा का साथ देना होगा। किसानों से खाद-बीज के बदले लाठी से मुक्ति दिलाने का कार्य योगी सरकार ने ही किया। किसान सम्मान निधि, कृषक यंत्रों के छूट के साथ दर्जनों योजनाओं के माध्यम से किसानों के लिए राज्य और केन्द्र सरकार कार्य कर रही है। यमुनापार के कुशलगढ़ मंदिर से भाजपा ने ट्रैक्टर रैली निकाली।

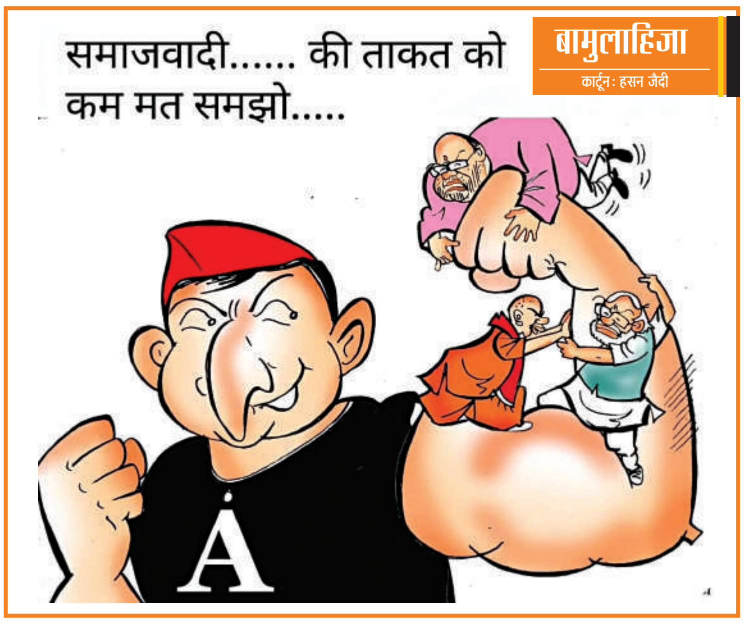


बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

# उत्तराखंड चुनाव में बूढ़े घोड़ों पर दांव लगाएगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड चुनाव की दौड़ में कांग्रेस अपने 'बूढ़े घोड़े' दौड़ाने से परहेज करने के मूड में नहीं है। बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे इस विधानसभा चुनाव के लिए किन उम्मीदवारों को मैदान में उतारना है, इस बारे में कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी में विचार विमर्श किया। पार्टी में अंदरूनी पैठ रखने वालों की मानें तो पार्टी के 10 सिटिंग विधायकों को टिकट मिलना तय है। इन आजमाए जा चुके चेहरों के अलावा, कांग्रेस पार्टी अपने वरिष्ठ यानी तजुर्बेकार चेहरों पर दांव खेलने के मूड में है, भले ही पिछले चुनाव में वरिष्ठों को हार का स्वाद चखना पड़ा हो।

उत्तराखंड में 2017 के चुनाव के दौरान मोदी लहर के चलते कई दिग्गजों

### क्या है कांग्रेस का गेम प्लान?

कांग्रेस का अंदरूनी आंकलन साफ संकेत दे रहा है कि पार्टी पहाड़ी क्षेत्रों में बढ़त की स्थिति में है। इन सीटों पर कांग्रेस अपने वरिष्ठ नेताओं को मौका देने के मूड में है। मिसाल के तौर पर पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, गंगोत्री, देवप्रयाग और टिहरी जैसी सीटों पर कांग्रेस पहले विधायक रह चुके चेहरों को टिकट दे सकती है। पांडे का कहना है कि किसी भी उम्मीदवार के चयन से पहले कई पहलुओं पर विचार विमर्श किया जाएगा।

और अनुभवी नेताओं को हार झेलनी पड़ी थी। तब 70 विधानसभाओं वाले राज्य में कांग्रेस को केवल 10 सीटें मिली थीं, जबकि 57 पर बीजेपी ने जीतकर प्रचंड बहुमत पाया था। अब आगामी 2022 चुनाव के लिहाज से टिकट देने की कवायद पर कांग्रेस के भीतर क्या चल रहा है, इससे जुड़े एक अहम नेता का कहना है कि पिछली बार चुनाव में कई विजेता नेता अपनी सीटों से हारे थे। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने तो दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों गंवाई थीं। स्क्रीनिंग कमेटी के प्रमुख कांग्रेस नेता अविनाश पांडे ने बताया कि बुधवार को जो बैठक हुई, उसमें कई अनुभवी कांग्रेसी नेता शामिल थे।

# दागी विधायक देने में भाजपा नंबर वन

## यूपी विधान सभा में 140 विधायकों के विरुद्ध दर्ज हैं मुकदमे

» एडीआर ने जारी की यूपी के विधायकों की रिपोर्ट

» मौजूदा सरकार में 71 फीसदी विधायक करोड़पति

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के नजदीक आते ही इलेक्शन से जुड़े विश्लेषण भी शुरू हो गए हैं। उत्तर प्रदेश इलेक्शन वाच व एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म (एडीआर) ने विधायकों के शपथपत्रों की समीक्षा के आधार पर दावा किया है कि अगले चुनाव में भी धनबल व बाहुबल का बोलबाला होगा। एडीआर ने प्रदेश के 396 वर्तमान विधायकों के वित्तीय, आपराधिक, शैक्षिणिक व अन्य विवरण के विश्लेषण के आधार पर अपनी रिपोर्ट जारी की है, जिसमें 71 प्रतिशत विधायकों के करोड़पति होने तथा 35 प्रतिशत के विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की बात कही गई है। विश्लेषण में विधान सभा की सात रिक्त सीटों को शामिल नहीं किया गया है। विश्लेषण वर्ष 2017 में हुए विधान सभा चुनाव व उसके उपरांत उपचुनावों में उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत शपथपत्रों पर आधारित है।

एडीआर के प्रदेश संयोजक अनिल शर्मा व संतोष श्रीवास्तव का कहना है कि विश्लेषण में सामने आया है कि 396 विधायकों में से 140 विधायकों के विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें 106 विधायक ऐसे हैं, जिनके विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। सात विधायक ऐसे भी हैं, जिनके विरुद्ध हत्या की रिपोर्ट दर्ज है। जिन विधायकों के विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज हैं, उनमें भाजपा के 106 विधायक, समाजवादी पार्टी के 18 विधायक, बसपा के दो व कांग्रेस के एक विधायक के नाम शामिल हैं। इसके अलावा 71 फीसद विधायक करोड़पति हैं। एडीआर के अनुसार 396 में से 313 विधायक ऐसे हैं, जिनकी घोषित संपत्ति एक करोड़ रुपये से अधिक है। इनमें सर्वाधिक करोड़पति 235 विधायक भाजपा के, 49 समाजवादी पार्टी के तथा 15 बसपा के व पांच कांग्रेस पार्टी के हैं। इन विधायकों की औसतन संपत्ति 5.85 करोड़ रुपये है। विश्लेषण में पाया गया कि इनमें शामिल भाजपा विधायकों की औसत संपत्ति 5.04 करोड़ रुपये, समाजवादी पार्टी के विधायकों की औसत संपत्ति 6.07 करोड़ रुपये, बसपा विधायकों की औसत संपत्ति 19.27 करोड़ रुपये व कांग्रेस के विधायकों की औसत संपत्ति 10.06 करोड़ रुपये है।

### 95 विधायक आठवीं से बारहवीं पास

विश्लेषण के अनुसार 396 विधायकों में से 95 विधायकों ने अपनी शैक्षिक योग्यता आठवीं से बारहवीं कक्षा के बीच घोषित की है। 290 विधायकों ने अपनी शैक्षिणिक योग्यता स्नातक व उससे अधिक घोषित की है। चार विधायकों ने अपनी शैक्षिक योग्यता साक्षर और पांच विधायकों ने अपनी शैक्षिक योग्यता डिप्लोमा धारक घोषित की है। वहीं 206 विधायक 25 से 50 वर्ष आयु के मध्य के हैं और 190 विधायक 51 से 80 वर्ष आयु के बीच हैं। सदन में 43 महिला विधायक हैं, जो कुल विधायकों का 11 प्रतिशत हैं।

#### इतने विधायकों पर दर्ज हैं मुकदमे

| | |
|---|---|
| भाजपा | 106 विधायक |
| सपा | 18 विधायक |
| बसपा | 2 विधायक |
| कांग्रेस | एक विधायक |

#### सर्वाधिक करोड़पति कितने

| | |
|---|---|
| भाजपा | 235 विधायक |
| सपा | 49 विधायक |
| बसपा | 15 विधायक |
| कांग्रेस | 5 विधायक |

### शाह आलम सबसे अमीर विधायक

एडीआर के अनुसार सबसे ज्यादा संपत्ति वाले विधायकों में पहले नंबर पर बसपा विधायक शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली का नाम है। आजमगढ़ के मुबारकपुर विधान सभा क्षेत्र से चुने गए शाह आलम 118 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के मालिक हैं। इस श्रेणी में दूसरा बसपा के ही विधायक विनय शंकर का नाम है। गोरखपुर के चिलुपार विधान सभा क्षेत्र से चुने गए विनय शंकर 67 करोड़ रुपये से अधिक संपत्ति के मालिक हैं। तीसरे नंबर पर आगरा के बाह विधानसभा क्षेत्र से चुनी गईं पक्षालिका सिंह का नाम है। भाजपा विधायक पक्षालिका सिंह 58 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति की मालकिन हैं। खबर लिखे जाने तक जमाली ने पार्टी छोड़ दी है। सपा में जाने की भी अटकलें हैं।

### 49 विधायक हैं कर्जदार

एडीआर की रिपोर्ट की मानें तो 49 विधायक एक करोड़ से अधिक के कर्जदार हैं। विधायकों की देनदारियों का भी ब्यौरा निकाला गया है। 49 विधायकों ने अपनी देनदारी एक करोड़ रुपए व उससे अधिक घोषित की है।

# मिशन यूपी: कांग्रेस ने बदली रणनीति, गठबंधन से किया किनारा

## अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी पार्टी, चालीस फीसदी सीटें महिलाओं को देने की योजना

» यूपी की सभी 403 सीटों पर उतारेगी उम्मीदवार, प्लान तैयार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सियासी वनवास को खत्म करने के लिए कांग्रेस ने पूरा जोर लगा दिया है। खुद प्रियंका गांधी ने यूपी की कमान संभाल रखी है। प्रदेश में सियासी जमीन मजबूत करने के लिए प्रियंका ने चुनाव लड़ने की रणनीति में बदलाव किया है। अब कांग्रेस किसी दल से गठबंधन नहीं करेगी बल्कि अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी। सभी 403 विधान सभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे जाएंगे।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अभी तक गठबंधन का विकल्प खुला रखने की बात करने वाली कांग्रेस ने अब एकला चलो का फैसला किया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पिछले दिनों 2022 के यूपी विधान सभा चुनाव में किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करने और अकेले दम पर सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कई लोगों ने मुझसे कहा कि कुछ भी करिए गठबंधन मत करिए। मैं आप सभी लोगों को आश्वासन देना चाहती हूं कि हम सारी सीटों पर लड़ेंगे, अपने दम पर लड़ेंगे। हमने इसका प्लान भी तैयार कर लिया है। यूपी में यदि कांग्रेस को जीतना होगा तो पार्टी अपने दम पर ही जीतेगी। पार्टी प्रदेश की हर सीट पर अपने कार्यकर्ता को प्रत्याशी बनाकर उतारेगी। यूपी में भाजपा के खिलाफ सिर्फ कांग्रेस ही हर जगह पर खड़ी है। भाजपा से सिर्फ हम लड़ रहे हैं, इसलिए हम निशाने पर हैं। गौरतलब है कि कांग्रेस यूपी में अब भले की अकेले चुनावी रण में उतरने का ऐलान किया हो, लेकिन कुछ दिनों पहले तक गठबंधन के लिए बेताब थी। कांग्रेस के यूपी चुनाव ऑब्जर्वर व छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल से लेकर प्रियंका गांधी तक सूबे में गठबंधन के लिए विकल्प खुला रखने की बात कह रहे थे। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव इमरान मसूद सहित पार्टी के तमाम नेता गठबंधन करने की पैरवी कर रहे थे। गौरतलब है कि तीन दशक के बाद यूपी में प्रियंका गांधी ने जमीनी स्तर पर 75 जिलों में संगठन खड़ा किया है और योगी सरकार के खिलाफ मुखर होकर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम किया है। ऐसे में कांग्रेस का यूपी चुनाव में अकेले लड़ने से सूबे में कांग्रेस एक लीडरशिप खड़ी कर सकेगी, जो सत्ता में न रहने और गठबंधन की राजनीति के चलते खत्म हो गई है।

### भविष्य पर नजर

उत्तर प्रदेश की मौजूदा सियासत में कांग्रेस जिस जगह खड़ी है वहां उसके पास सात फीसदी के आसपास वोट हैं। ऐसे में वह अकेले चुनाव लड़ती है तो इस बार भले ही कोई बड़ी सफलता न हासिल करें पर भविष्य में विकल्प बनने की उम्मीद बनी रहेगी। वहीं, कांग्रेस गठबंधन कर चुनाव लड़ती तो भविष्य में भी बैसाखी की जरूरत बनी रहती। कांग्रेस के लिए यूपी में सरकार में आने का भले ही मौका न हो लेकिन खड़े होने की जरूर संभावना है।

### नहीं मिला साथ

प्रियंका-बघेल के ऑफर देने के बावजूद कांग्रेस के साथ न तो कोई बड़ा दल साथ आया और न ही किसी छोटे दल हाथ मिलाने को तैयार दिखे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव से लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती और आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने कांग्रेस से गठबंधन करने के साफ मना कर दिया था। इसके चलते कांग्रेस यूपी में चुनाव में बिल्कुल अकेले पड़ गई है। ऐसे में कांग्रेस का यूपी में अब अकेले चुनावी मैदान में उतरना सियासी मजबूरी बन गया है।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# सुप्रीम कोर्ट की नसीहत

*दिल्ली समेत कई राज्यों में फैल रहे प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को न केवल फटकार लगायी है बल्कि यह भी कहा कि इससे निपटने के लिए पहले से व्यवस्था क्यों नहीं की गई। पिछले वर्षों की स्थिति से सबक क्यों नहीं लिया गया? आखिर हम दुनिया को क्या संदेश दे रहे हैं? शीर्ष अदालत ने प्रदूषण पर लगाम लगाने की नसीहत सरकारों को दी। सवाल यह है कि जनहित के कार्यों के प्रति केंद्र और राज्य सरकारें गंभीर क्यों नहीं हैं? क्या जनता की चुनी हुई सरकारों से ऐसी जानलेवा लापरवाही की उम्मीद की जा सकती है? प्रदूषण को लेकर सियासी दल भी गंभीर क्यों नहीं दिखते हैं? पलारी की समस्या का स्थायी समाधान क्यों नहीं किया जा रहा है? प्रदूषण के अन्य कारकों पर लगाम लगाने में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सरकारें क्यों नाकाम हैं? पुराने वाहनों को आज तक सड़कों से हटाया क्यों नहीं जा सका है?*

*सर्दियों के साथ ही दिल्ली समेत आसपास के राज्यों में हवा बेहद जहरीली हो जाती है। इसका स्तर साल-दर-साल खराब होता जा रहा है। बावजूद इसके प्रदूषण को कम करने के उपाय सरकारों द्वारा नहीं किए जाते हैं। यही नहीं नौकरशाही भी कागजों पर आदेश जारी कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेती है। इसका खामियाजा जनता को भोगना पड़ता है। हालात यह है कि प्रदूषण के कारण श्वांस रोगियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। अब तो बच्चे भी श्वांस रोग और एलर्जी की चपेट में आ रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि वर्षों से चले आ रहे प्रदूषण को रोकने की जगह सत्ताधारी दल एक दूसरे पर इसका ठीकरा फोड़ते हैं। सबसे अधिक शोर किसानों द्वारा पलारी जलाने को लेकर मचाया जाता है। किसानों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए जाते हैं लेकिन इसका समाधान नहीं खोजा जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी ही लापरवाही को लेकर केंद्र और राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। साथ ही निर्देश दिए हैं कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए वैज्ञानिकों के साथ मिलकर काम किया जाए और किसानों को जागरूक करने का काम किया जाए। यह दीगर है कि सुप्रीम कोर्ट के तमाम हिदायतों के बावजूद सरकारें प्रदूषण को रोकने के लिए स्थायी नीति बनाकर आज तक उसका अमल नहीं करा सकी है। यह स्थितियां किसी भी राज्य की जनता के लिए उचित नहीं है। केंद्र और राज्य सरकारों को चाहिए कि वे सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का कठोरता से पालन कराना सुनिश्चित करें और जनता के जीवन के अधिकारों की रक्षा करें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो भविष्य में स्थिति नियंत्रण के बाहर हो सकती हैं और यह देश की जनता की सेहत और अर्थव्यवस्था के लिए सही नहीं होगा।*

**“ सवाल यह है कि जनहित के कार्यों के प्रति केंद्र और राज्य सरकारें गंभीर क्यों नहीं हैं? क्या जनता की चुनी हुई सरकारों से ऐसी जानलेवा लापरवाही की उम्मीद की जा सकती है? प्रदूषण को लेकर सियासी दल भी गंभीर क्यों नहीं दिखते हैं? पलारी की समस्या का स्थायी समाधान क्यों नहीं किया जा रहा है? प्रदूषण के अन्य कारकों पर लगाम लगाने में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सरकारें क्यों नाकाम हैं?**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# पाक-चीन की अफगान नीति और भारत

जी. पार्थसारथी

अफगानिस्तान में आईएसआई की मदद से सत्तासीन हुए तालिबान से बनती चुनौतियों से निपटने की खातिर भारत ने कभी-कभार अपनाया जाने वाला नैसर्गिक रुख चुना है। कालांतर में भारत ने अफगान मुद्दे पर उसके पश्चिमी पड़ोसी मुल्क, जिनके साथ हमारे संबंध बहुत बढ़िया हैं, निकटता से काम किया है। इनमें ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उजबेकिस्तान, किर्गीजस्तान और कजाख्स्तान शामिल हैं। कभी पूर्व सोवियत संघ के घटक रहे इन देशों को रूस का समर्थन और सुरक्षा-चक्र उपलब्ध है। पड़ोसी ईरान के साथ भी इनके रिश्ते मधुर हैं। लिहाजा, अफगानिस्तान को लेकर भारत द्वारा बुलाई गई वार्ता के न्योते को रूस और ईरान ने स्वीकार किया, किंतु चीन और पाकिस्तान का रुख सकारात्मक नहीं रहा।

पश्तूनों की बहुलता वाला तालिबान संगठन, जिसका अपने पश्तून समुदाय या बाकी अफगानिस्तान में कोई बड़ा राजनीतिक आधार नहीं है, उस देश की कुल जनसंख्या का 55 प्रतिशत से ज्यादा बनते ताजिक, उजबेक, हजारा, बलोच और अन्यों से तगड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। भारत और अफगानिस्तान के पश्चिमी पड़ोसी मुल्कों को चिंता इसलिए है क्योंकि तालिबान ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि देश के अल्पसंख्यक, खासकर ताजिक, साथ लगते देशों में शरण लेना चाहते हैं। शिया हजारा समुदाय की निरंतर प्रताड़ना के परिणामवश ईरान भी असहज है। अफगानिस्तान के इन तमाम पड़ोसियों की चिंताओं में इजाफा तालिबान के हत्थे लग चुके अमेरिकन हथियारों की वजह से भी है। उक्त सभी मुल्कों के साथ, जो शंघाई सहयोग संगठन में भी साथी हैं, भारत लगातार संपर्क में है। हालांकि, चीन अब तालिबान का एक उत्साही समर्थक है, बेशक वह ठीक इसी वक्त उसके पड़ोसियों से भी अच्छे संबंध होने का दिखावा कर रहा है। अपनी चिंताओं के बावजूद रूस अफगानिस्तान पर चीन के साथ सीधा टकराव करने से बचना चाहेगा। वहीं पाकिस्तान अफगानिस्तान पर अपनी 'गहरी सामरिक पैठ' बनाए रखना चाहता है और अफगान भूमि का इस्तेमाल लश्कर व जैश जैसे आतंकी गुटों की सुरक्षित पनाहगार के लिए करना चाहता है। तालिबान में आईएसआई की पैठ गहरी है। तालिबान के संस्थापकों में एक मुल्ला मोहम्मद हसन अखुन्द को प्रधानमंत्री घोषित किया गया। उसका नाम संयुक्त राष्ट्र की आतंकी सूची में है। वहीं मुल्ला हिबातुल्लाह अखुन्दज़ादा, जिसे पहले

तालिबान के सर्वोच्च नेता नामित किया गया था, वह दरकिनार होकर कंधार में एक तरफ बैठा है। आज की तारीख में अफगान सरकार में गृह-मंत्री सिराजुद्दी हक्कानी सबसे ताकतवर मंत्री है। वह अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों पर हुए हमलों का सबसे ज्यादा जिम्मेदार है। उसका ओसामा बिन लादेन और अल कायदा से भी निकट संबंध रहा है। हक्कानी नेटवर्क की गतिविधियां पाकिस्तान के पश्तून बहुल खैबर पख्तूनवा इलाके के उत्तरी वजीरिस्तान में ड्यूरंड सीमा रेखा के आरपार निर्बाध चलती रहती हैं। काबुल का राजकाज अब सिराजुद्दीन हक्कानी के भाई खलील-उर-रहमान हक्कानी के हाथ में है। बिन लादेन के बहुत नजदीकी रहे सिराजुद्दीन के सिर पर 50 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम है। फिलहाल तालिबान पाकिस्तान को 'गहरी सामरिक पैठ' मुहैया करवा रहा है, जिससे वह भारत के विरोधी जिहादियों को प्रशिक्षण और सशस्त्र कर पाएगा। हालांकि पाकिस्तान को तहरीक-ए-तालिबान, जो कि मुख्य तालिबान का एक घटक है, उससे गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि वह ड्यूरंड रेखा को नकारता है।

भारत और अफगानिस्तान के पड़ोसी पांच मध्य एशियाई मुल्कों की कैफियत अब एक जैसी है, जिन्हें पाकिस्तान की नीतियों से गंभीर चिंता सता रही है। भारत में 10 नवम्बर को हुई बैठक में जोर देकर कहा गया कि अफगानिस्तान अपनी भूमि को आतंकियों की पनाहगार, प्रशिक्षण केंद्र या पैसा प्राप्त करने का अड्डा न बनने दे। सबसे अहम यह कि मध्य एशियाई देशों और ईरान ने कहा है कि अफगान लोगों के सभी वर्गों तक निर्बाध एवं भेदभाव रहित मानवीय मदद पहुंचनी चाहिए। अफगानिस्तान में फिलवक्त लोगों को भोजन और मेडिकल आपूर्ति की किल्लत है। भारत ने पहलकदमी करते हुए अफगान जनता के लिए 50,000 टन गेहूं और जरूरी दवाएं देने की पेशकश की है। तालिबान ने भारत की इस पहल का स्वागत किया है। उन्हें चीनियों की महत्वाकांक्षा का भी भान है, जो लगभग 1 ट्रिलियन मूल्य वाली उसकी प्राकृतिक संपदा का दोहन करना चाहते हैं। तालिबान जो खुद को दुनियाभर के मुस्लिम हितों का चैंपियन बता रहे हैं। फिलहाल अफगानिस्तान और उसकी सीमाओं पर आगामी लंबे समय तक अस्थिरता, अफरा-तफरी और हिंसा बनी रहेगी।

# महिलाओं को मिले सुरक्षित माहौल

योगेश कुमार गोयल

विश्वभर में प्रतिवर्ष 25 नवंबर को 'अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस' मनाया जाता है। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा रोकने के प्रयास की आवश्यकता को रेखांकित करनेवाले कार्यक्रम इस दिन आयोजित किये जाते हैं। पैट्रिया मर्सिडीज मिराबैल, मारिया अर्जेंटीना मिनेर्वा मिराबैल तथा एंटोनिया मारिया टेरेसा मिराबैल द्वारा डोमिनिक शासक रैफेल ट्रुजिलो की तानाशाही का कड़ा विरोध किये जाने पर क्रूर शासक के आदेश पर 25 नवंबर, 1960 को उन तीनों बहनों की हत्या कर दी गयी थी। वर्ष 1981 से उस दिन को महिला अधिकारों के समर्थक उन तीनों बहनों की मृत्यु की पुण्यतिथि के रूप में मनाते आये हैं। दिसंबर, 1999 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 25 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय हिंसा उन्मूलन दिवस घोषित किया गया। यौन हिंसा और उत्पीड़न के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का आग्रह करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि महिलाओं के प्रति हिंसा विश्व में सबसे भयंकर, निरंतर और व्यापक मानव अधिकार उल्लंघनों में शामिल है। इसका दंश विश्व में हर तीन में से एक महिला को भोगना पड़ता है।

वर्ष 2010 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र महिला' का गठन किया गया था। आंकड़ों के अनुसार विश्वभर में 15-19 आयु वर्ग की करीब डेढ़ करोड़ किशोरियां जीवन में कभी न कभी यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं, करीब 35 फीसदी महिलाओं और लड़कियों को अपने जीवनकाल में शारीरिक एवं यौन हिंसा का सामना करना पड़ता है। हिंसा की शिकार 50 फीसदी से अधिक महिलाओं की हत्या उनके परिजनों द्वारा ही की जाती है। वैश्विक स्तर पर मानव तस्करी के शिकार लोगों में 50 फीसदी व्यस्क महिलाएं हैं। प्रतिदिन तीन में से एक महिला शारीरिक हिंसा का शिकार होती है। भारत में भी स्थिति काफी चिंताजनक है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक, 2020 में कोरोना महामारी के कारण राष्ट्रीय तालाबंदी के दौरान महिलाओं और बच्चों के खिलाफ पारंपरिक अपराधों में कुछ कमी देखी गयी, लेकिन देश में अपराध के मामले 28 प्रतिशत बढ़ गये। देशभर में 2020 में बलात्कार के प्रतिदिन औसतन 77 मामले दर्ज किये गये और कुल 28046 मामले सामने आये। वर्षभर में पूरे देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 3,71,503 मामले दर्ज हुए, जो 2019 में 4,05,326 और 2018 में 3,78,236 थे। वर्ष 2019 में महिलाओं के खिलाफ 4,05,326 मामले सामने आये थे, जिनमें प्रतिदिन औसतन 87 मामले बलात्कार के दर्ज किये गये। देश की राजधानी दिल्ली में 2020 में महिलाओं के खिलाफ अपराध में 2019 की तुलना में 24.65 फीसदी अपराध कम हुए. साल 2020 में दिल्ली में महिलाओं के अपहरण के 2938, बलात्कार के प्रयास के नौ और बलात्कार या सामूहिक बलात्कार के बाद हत्या का एक मामला दर्ज किया गया। इस दौरान देशभर में साइबर अपराध 2019 के मुकाबले 11.8 फीसदी बढ़ा है। वर्ष 2012 में दिल्ली में हुए निर्भया कांड के बाद देशभर में सड़कों पर महिलाओं के आत्मसम्मान के प्रति जिस तरह की जन-भावना और युवाओं का तीखा आक्रोश देखा गया था, यौन हिंसा रोकने के लिए जिस प्रकार कानून सख्त किये गये थे, उसके बाद लगने लगा था कि समाज में इससे संवदेनशीलता बढ़ेगी और ऐसे कृत्यों में लिप्त असामाजिक तत्वों के हौंसले पस्त होंगे, किंतु विडंबना है कि समूचे तंत्र को झकझोर देने वाले निर्भया कांड के बाद भी हालात यह हैं कि कोई दिन ऐसा नहीं बीतता जब महिला हिंसा से जुड़े अपराधों के मामले देश के कोने-कोने से सामने न आते हों। होता सिर्फ यही है कि जब भी कोई बड़ा मामला सामने आता है तो हम पुलिस-प्रशासन को कोसते हुए संसद से लेकर सड़क तक कैंडल मार्च निकालकर या अन्य किसी प्रकार से विरोध प्रदर्शन कर रस्म अदायगी करके शांत हो जाते हैं. पुनः तभी जागते हैं, जब ऐसा ही कोई बड़ा मामला पुनः सुर्खियां बनता है।

अहम प्रश्न है कि निर्भया कांड के बाद कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी दुनिया के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मर्यादा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, 'आधी दुनिया' के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वो कड़ी कार्रवाई नहीं होती, जिसके वे हकदार हैं और इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं। हैदराबाद की बेटी दिशा का मामला हो या उन्नाव पीड़िता का अथवा हाथरस या बुलंदशहर की बेटियों का, लगातार सामने आते इस तरह के तमाम मामलों से स्पष्ट है कि केवल कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने वाले नहीं हैं। इसके लिए सबसे जरूरी है कि तमाम सरकारें प्रशासनिक मशीनरी को चुस्त-दुरुस्त करने के साथ ऐसे अपराधों के लिए प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करें और ऐसे मामलों में कोताही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाये जायें।

# खूबसूरत प्लांट्स से करें बालकनी का मेकओवर

बालकनी हमारे घर का वह हिस्सा है, जहां हम सुकून के कुछ पल बिताना बेहद पसंद करते हैं। आमतौर पर, शाम की चाय की चुस्कियां बालकनी में बैठकर ही ली जाती हैं। ऐसे में अगर बालकनी बेहद खूबसूरत तरीके से सजी हुई हो तो मन और भी ज्यादा प्रफुल्लित हो उठता है। यूं तो बालकनी को सजाने के लिए आपके पास ऑप्शन की कोई कमी नहीं है, लेकिन सबसे बेहतर ऑप्शन है प्लांटिंग करना। अपने आसपास हरियाली देखकर मन में सकारात्मकता का संचार होता है। साथ ही साथ, इससे कई तरह के हेल्थ बेनिफिट्स भी मिलते हैं। तो चलिए आज हम आपको बालकनी में प्लांटिंग करने के कुछ बेहतरीन आइडियाज के बारे में बता रहे हैं-

## वर्टिकल स्पेस मे उगाएं प्लांट्स

बालकनी में स्पेस कम होता है इसलिए आपको स्मार्टली गार्डनिंग करनी होती है। अगर आपकी बालकनी में स्पेस प्रॉब्लम है तो ऐसे में आप वर्टिकल गार्डनिंग पर विचार कर सकते हैं। आजकल मार्केट में वर्टिकल स्टैंड मिलते हैं, जिनमें डिफरेंट टाइप के पॉट्स को रखा जा सकता है और गार्डनिंग की जा सकती हैं।

## सीढ़ियों की लें मदद

अगर आप अपनी बालकनी में प्लांट्स की मदद से मेकओवर करना चाहते हैं तो इसका एक आसान तरीका यह भी है कि आप लकड़ी की सीढ़ी को बालकनी में साइड में रखें और उसमें तरह-तरह के पॉट्स रखें। यह आपकी बालकनी को मॉडर्न के साथ एक विंटेज लुक भी देगा। अगर आप एक फन लुक एड करना चाहते हैं तो ऐसे में सीढ़ियों पर पेंट करें। इसी तरह, आप पॉट्स पर डिफरेंट टाइप के फेस या डिजाइन भी बनाएं। यह देखने में बेहद ही सुंदर लगता है।

## काउच के पीछे करें सेटिंग

अगर आपकी बालकनी में थोड़ा स्पेस है तो ऐसे में आप कुछ इस तरह भी अपनी बालकनी में प्लांट्स को प्लेस कर सकते हैं। इसके लिए आप पहले अपनी बालकनी के लिए काउच या सिटिंग स्पेस डिजाइन करें। इसके बाद आप उसके पीछे व फ्रंट में कुछ कलरफुल प्लांट्स लगाएं। यह आपकी आंखों को काफी अच्छे लगते हैं और मन को पॉजिटिव बनाते हैं।

## हैंगिंग व रेलिंग गार्डनिंग

जब बालकनी में प्लांटिंग या गार्डनिंग करने की बात होती है तो सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप हैंगिंग गार्डनिंग करें। इसके अलावा रेलिंग पर भी कुछ पॉट्स के लिए स्पेस को प्लॉन किया जा सकता है। आप इन हैंगिंग बास्केट व रेलिंग पॉट्स में कई तरह के फूल उगा सकते हैं। इसके अलावा, आप यहां पर कुछ हर्ब्स लगाने पर भी विचार कर सकते हैं। ऐसे कई हर्ब्स हैं, जो आपके स्पेस को ब्यूटीफुल बनाते हैं। साथ ही साथ आप किचन में भी इन हर्ब्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

## कॉर्नर में लगाएं सीमेंट

प्लांटर अगर आप अपने बालकनी एरिया में बहुत अधिक प्लांट्स नहीं लगाना चाहते हैं लेकिन फिर भी एक स्टेटमेंट लुक क्रिएट करना चाहते हैं तो ऐसे में आप कुछ इस तरह से प्लांट्स लगा सकते हैं। इसके लिए आप सीमेंट के प्लांटर में प्लांट्स लगाएं। चूंकि सीमेंट के प्लांटर हैवी होते हैं और इसमें लॉन्ग प्लांट्स भी लगाए जा सकते हैं। इस तरह आप कॉर्नर में केवल दो-तीन सीमेंट प्लांटर लगाएं और बस आपकी बालकनी देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल लगेगी।

## हंसना मना है

एक आदमी कॉकरोच को मार रहा था। मरने से पहले कॉकरोच ने आदमी से आखिरी बार बोला: मार दे मुझे डरपोक कहीं के...तू मुझसे इसलिए चिढ़ता है क्योंकि तेरी बीवी मुझसे डरती है और तुझसे नहीं।

चिंटू अपनी गर्लफ्रेंड को लेकर होटल डिनर कराने गया। चिंटू: बोलो बेबी। क्या मंगाऊं? गर्लफ्रेंड :मेरे लिए तो पिज्जा मंगा लो और अपने लिए एम्बुलेंस मंगा लो। चिंटू: अरे एम्बुलेंस क्यों? गर्लफ्रेंड: पीछे देखो तुम्हारी बीवी खड़ी है।

बेटा बियर पीकर घर लौटा था पापा की डांट से बचने के लिए लैपटॉप खोलकर पढ़ने लगा। पापा: बेटा तू फिर से पीकर आया है? बेटा: नहीं पापा मैंने नहीं पी है। पापा: तो फिर सूटकेस खोलकर क्या पढ़ रहा है?

एक बुढ़िया का दामाद बहुत ही काला था। सास: दामाद जी आप तो एक महीना यहां रुको दूध, दही खाओ, मौज करो आराम से रहो यहां। दामाद: अरे वाह सासु मां आज बड़ा प्यार आ रहा है मुझ पे। सास: अरे प्यार व्यार कुछ नहीं कलमुहे वो हमारी भैंस का बच्चा मर गया, कम से कम तुम्हें देख कर दूध तो देती रहेगी।

पिताजी: कहां हो बेटे? मोहित: हॉस्टल में पढ़ रहा हूं, एग्जाम बहुत नजदीक है इसलिये बहुत पढ़ना पड़ता है, आप कहां हो? पिताजी: ठेके पे..तेरे पीछे लाइन में लास्ट में खड़ा हूं एक हाफ मेरा भी ले लेना।

## कहानी: गीदड-गीदड़ है और शेर-शेर

एक जंगल में शेर-शेरनी का युगल रहता था। शेरनी के दो बच्चे हुए। शेर प्रतिदिन हिरणों को मारकर शेरनी के लिये लाता था। दोनों मिलकर पेट भरते थे। एक दिन जंगल में बहुत घूमने के बाद भी शाम होने तक शेर के हाथ कोई शिकार न आया। खाली हाथ घर वापस आ रहा था तो उसे रास्ते में गीदड़ का बच्चा मिला। बच्चे को देखकर उसके मन में दया आ गई, उसे जीवित ही अपने मुख में सुरक्षा-पूर्वक लेकर वह घर आ गया और शेरनी के सामने उसे रखते हुए बोला-प्रिये! आज भोजन तो कुछ मिला नहीं । रास्ते में गीदड़ का यह बच्चा खेल रहा था। उसे जीवित ही ले आया हूं। तुझे भूख लगी है तो इसे खाकर पेट भरले। कल दूसरा शिकार लाऊंगा। शेरनी बोली-प्रिय! जिसे तुमने बालक जानकर नहीं मारा, उसे मारकर मैं कैसे पेट भर सकती हूं। मैं भी इसे बालक मानकर ही पाल लूंगी। समझ लूंगी कि यह मेरा तीसरा बच्चा है। गीदड़ का बच्चा भी शेरनी का दूध पीकर खूब पुष्ट हो गया और शेर के अन्य दो बच्चों के साथ खेलने लगा। शेर-शेरनी तीनों को प्रेम से एक समान रखते थे। कुछ दिन बाद उस वन में एक मस्त हाथी आ गया। उसे देख कर शेर के दोनों बच्चे हाथी पर गुर्राते हुए उसकी ओर लपके। गीदड़ के बच्चे ने दोनों को ऐसा करने से मना करते हुए कहा-यह हमारा कुलशत्रु है। उसके सामने नहीं जाना चाहिये। शत्रु से दूर रहना ही ठीक है। यह कहकर वह घर की ओर भागा। शेर के बच्चे भी निरुत्साहित होकर पीछे लौट आये। घर पहुंच कर शेर के दोनों बच्चों ने मां-बाप से गीदड़ के बच्चे के भागने की शिकायत करते हुए उसकी कायरता का उपहास किया। गीदड़ का बच्चा इस उपहास से बहुत क्रोधित हो गया। लाल-लाल आंखें करके और होठों को फड़फड़ाते हुए वह उन दोनों को जली-कटी सुनाने लगा। तब, शेरनी ने उसे एकान्त में बुलाकर कहा कि-इतना प्रलाप करना ठीक नहीं, वे तो तेरे छोटे भाई हैं, उनकी बात को टाल देना ही अच्छा है। गीदड़ का बच्चा शेरनी के समझाने-बुझाने पर और भी भड़क उठा और बोला-मैं बहादुरी में, विद्या में या कौशल में उनसे किस बात में कम हूं, जो वे मेरी हंसी उड़ाते हैं, मैं उन्हें इसका मजा चखाऊंगा, उन्हें मार डालूंगा। यह सुनकर शेरनी ने हंसते-हंसते कहा-तू बहादुर भी है, विद्वान् भी है, सुन्दर भी है, लेकिन जिस कुल में तेरा जन्म हुआ है उसमें हाथी नहीं मारे जाते। समय आ गया है कि तुझे सच बात कह देनी चाहिये। तू वास्तव में गीदड़ का बच्चा है। मैंने तुझे अपना दूध देकर पाला है। अब इससे पहले कि तेरे भाई इस सचाई को जानें, तू यहां से भागकर अपने स्वजातियों से मिल जा। अन्यथा वह तुझे जीता नहीं छोड़ेंगे। यह सुनते ही वह डर से कांपता हुआ अपने गीदड़ दल में आ मिला।

## 6 अंतर खोजें

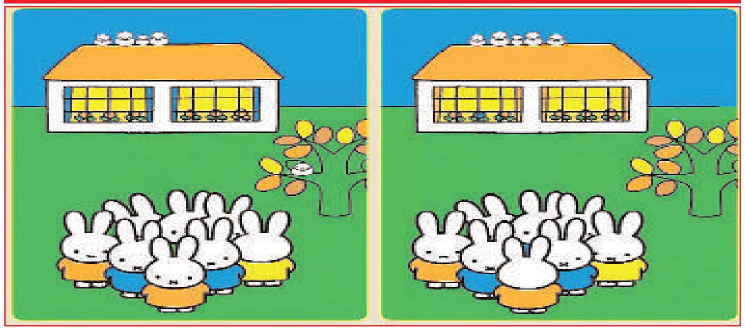

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा।

**वृषभ**

किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

**मिथुन**

यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

**कर्क**

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। कार्य पर ध्यान दें।

**सिंह**

जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है।

**कन्या**

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा।

**तुला**

व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी।

**वृश्चिक**

कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी।

**धनु**

कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

**मकर**

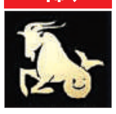

किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

**कुम्भ**

तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

**मीन**

परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

# अरण्यक में नजर आएंगी रवीना टंडन

रवीना टंडन ने अपने प्रदर्शन से 1990 के दशक में राज किया था। उन्होंने अपने डांस मूव्स से दर्शकों का दिल जीता है। अब अभिनेत्री रवीना टंडन नेटफ्लिक्स की आगामी क्राइम थ्रिलर अरण्यक के साथ अपना डिजिटल डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, जिसमें वह एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। रवीना ने कहा, ये सीरीज उन कठिनाइयों और पूर्वाग्रहों को उजागर करती है जिनका सामना महिला अधिकारी करती हैं क्योंकि वे अपने काम और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती हैं।

**वेब सीरीज का ट्रेलर रिलीज**

दो मिनट से अधिक लंबे ट्रेलर का लोनावला में अनावरण किया गया। घने जंगल में बने इस वेब सीरीज में रवीना एक स्थानीय पुलिस वाले की भूमिका निभा रही है। सीरीज में एक किशोर पर्यटक की हत्या की खबर उसे हिला देती है और मामले को सुलझाने के लिए वे परमब्रत द्वारा निभाई गई अपने शहर-नस्ल के प्रतिस्थापन अंगद के साथ फोर्स में शामिल हो जाती है। ट्रेलर में आशुतोष राणा, मेघना माली और जाकिर हुसैन भी हैं। 47 वर्षीय अभिनेत्री कस्तूरी डोगरा नामक अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी। उनका कहना है कि उनका चरित्र अपने आप में इतना मजबूत है कि वह किसी भी तरह आप तक पहुंच जाएगा। कस्तूरी की विशेषताओं के बारे में बताते हुए, रवीना ने कहा कि वह एक बेहद स्वतंत्र, सुपर प्रतिभाशाली पुलिस अधिकारी है। वह अपने पुरुष समकक्षों से घिरी हुई हैं, अपने करियर में कुछ हासिल करना चाहती हैं। अरण्यक के ट्रेलर लॉन्च के दौरान अभिनेत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकताएं हमारे बच्चे, ससुराल, परिवार हैं, जिसने मुझे पूरी तरह से अपने चरित्र के लिए आकर्षित किया। अरण्यक 10 दिसंबर से नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगा।

# आर्या-2 के मोशन पोस्टर में दिखा सुष्मिता सेन का कातिलाना अंदाज

डिज्नी हॉटस्टार पर 2020 में आयी वेब सीरीज आर्या ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद सबसे लोकप्रिय सीरीजों में शामिल है। इस सीरीज से सुष्मिता ने ओटीटी डेब्यू किया था। एक क्रिमिनल फैमिली की बेटी के किरदार में सुष्मिता की अदाकारी को खूब सराहा गया। आर्या जिस मोड़ पर खत्म हुई थी, उसके चलते दूसरे भाग का इंतजार बेसब्री से किया जा रहा है। राम माधवानी निर्देशित आर्या का दूसरा सीजन जल्द रिलीज होने वाला है। गुरुवार को सीरीज का मोशन पोस्टर सुष्मिता ने शेयर किया, जिससे अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि सुष्मिता दूसरे सीजन में जोरदार एक्शन करते हुए नजर आने वाली हैं। पिछले सीजन में

**बॉलीवुड | मसाला**

अपराध की दुनिया से दूर जाने की कोशिश करते आर्या के पति की हत्या कर दी गयी थी और दुश्मनों से बचने के लिए आर्या को देश छोड़कर जाते हुए दिखाया गया था। दूसरा सीजन आर्या के बदले पर आधारित होगा। शो में आर्या के पति के किरदार चंद्रचूड़ सिंह थे। मोशन पोस्टर आर्या 2 की एक अहम सीक्वेंस से लिया गया है, जिसके बारे में सुष्मिता ने बताया-ऐसा एक स्पेशल सीन है जिसे हमने जयपुर के एक हेलीपैड पर शूट किया था, इस सीन का एक फार्मूलेशन था। उन्होंने बताया कि यह एक महत्वपूर्ण दृश्य था, जिसमें 24 मिनट का लंबा टेक था, जिसे एक ही बार में और कई वेरिएशन्स के साथ शूट किया गया था। यह सीजन 2 के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण सीक्वेंस था। आपको पता होगा कि राजस्थान में ऑफ सीजन बारिश नहीं होती है, लेकिन हर 24 मिनट के लंबे टेक के अंत में, थंडरिंग और बारिश हो रही थी, सिर्फ हमारे लिए। उन्होंने कहा कि यह इससे बेहतर नहीं हो सकता था। इसलिए, यह हम सभी के लिए हाई पॉइंट है।

**बॉलीवुड | मन की बात**

# राष्ट्रपति बन जाऊं तो भी लोगों की सोच नहीं बदलेगी: नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी इंडस्ट्री के उम्दा अभिनेताओं में से एक हैं। नवाज ने अपने करियर की शुरुआत दिनों में कई मुश्किलों का सामना किया, लेकिन अपनी मेहतन और एक्टिंग के दम पर वो आज वहां खड़े हैं जहां उनके साथ शायद इंडस्ट्री का हर अभिनेता काम करना चाहता है लेकिन क्या आप जानते हैं इतने कामयाब होने की बाद भी नवाज आज भी जब अपने गांव जाते हैं तो लोग उनके साथ भेदभाव करते हैं। नवाज का कहना है कि कास्टिस्म वहां के लोगों के दिमाग में घुसा हुआ है जिसे निकालना मुश्किल है। वहां लोग इंसान को जाति के आधार पर ही तोलते हैं फिर चाहें वो अमेरिका का राष्ट्रपति ही क्यों न हो। नवाज ने इंटरव्यू में अपने साथ हुए भेदभाव और करियर को बारे में खुलकर बात की। दरअसल, नवाज़ यहां अपनी फिल्म 'सीरियस मैन' जिसे हाल ही में अंतरराष्ट्रीय एमी अवॉर्ड्स 2021 में नॉमिनेशन मिला था, के बारे में बातचीत करने पहुंचे थे। इस फिल्म में नवाज ने एक ग़रीब व्यक्ति का किरदार निभाया है जो अपने बेटे को बहुत बड़ा और जीनियस आदमी बनाना चाहता है। नवाज ने कहा कि 'मैं फिल्मों को दिल और दिमाग से चुनता हूं बॉक्स ऑफिस के बारे में सोचकर नहीं। फिर जब मेरी फिल्मों को अवॉर्ड मिलता है या वो ऐसे अवॉर्ड में जाती है तो गर्व होता है कि मेरा चुनाव सही है'। नवाज ने कहा, 'इस फिल्म में जो परिस्थिति थी उन परिस्थितियों से मैं खुद को जोड़ पाता हूं क्योंकि मैंने वो समय देखा है जब मैं अपने गांव में था। मेरी दादी छोटी जाति की थीं और उनकी शादी बड़ी जाति में हुई तो मेरे पिता को ये भेदभाव पूरी जिंदगी झेलना पड़ा। मेरे पिता को जिंदगीभर ये झेलना पड़ा कि उनकी मां छोटी जाती की हैं। फिर पिता के बाद हमें भी ये झेलना पड़ा।

# रस्मों के बीच दूल्हे को पुलिस ने उठाया, गाड़ी के पीछे दौड़ती रही दुल्हन

ज़रा सोचिए, अगर किसी की शादी में पुलिस आकर दूल्हे को ही पकड़ ले जाए तो भला दुल्हन की क्या हालत होगी? इक्वाडोर में एक दुल्हन की हालत तब खराब हो गई जब शादी की रस्मों के दौरान ही पुलिस उसके पति को लेकर जाने लगी।

रिपोर्ट के मुताबिक दुल्हन जब अपने पति को पुलिस के साथ जाता हुए देखने लगी तो उसने उसे छुड़ाने की कोशिश की। वह पुलिस की गाड़ी के पीछे भागी और उनसे पति को छोड़ने की भी अपील करने लगी। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। हर कोई इस घटना पर आश्चर्य व्यक्त कर रहा था।

घटना इक्वाडोर से एल ओरे के एगल गुआबो में हुई। यहां एक शादी के दौरान पुलिस अधिकारी पहुंचे और उन्होंने दूल्हे को शादी की रस्मों के बीच से ही उठा लिया। उन्होंने दूल्हे को उठाकर अपने वाहन में बिठाया और वहां से निकल गए। इस दौरान दुल्हन अपने नए-नवेले पति को जाते हुए देखकर बौखला गई और उसके पीछे-पीछे भागती हुई दिखाई दी। उसने दूल्हे को छुड़ाने की भरपूर कोशिश की। हालांकि पुलिस ने किसी की कुछ भी नहीं सुनी और दूल्हे को लेकर चलती बनी।

दूल्हे पर ये गाज इसलिए गिरी क्योंकि उसने अपनी पहली पत्नी से अलग होने के बाद उसे गुजारा भत्ता नहीं दिया था। पहली पत्नी के बच्चों के लिए भी उसने कोई आर्थिक सहायता भी नहीं दी। इसकी शिकायत मिलने के बाद पुलिस इस आदमी को पूछताछ के लिए शादी से उठाकर थाने लेकर आई थी। इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यूज़र्स ने मजेदार प्रतिक्रिया दी। कुछ यूज़र्स ने ये भी कहा कि पुलिस को उसे शादी के बीच से नहीं उठाना चाहिए जबकि कुछ लोगों ने शख्स को इसलिए ट्रोल किया क्योंकि वह पहली पत्नी को गुजारा भत्ता देने के बजाय शादी कर रहा था।

**अजब-गजब | खौफनाक है सच्चाई**

# इस बगीचे की खूबसूरती देख जो भी गया घूमने, कभी नहीं आया लौटकर

दुनिया में बहुत सारी ऐसी जगह हैं जिनका रहस्य आज तक कोई जान नहीं पाया है। कई ऐसी जगह हैं जहां का नाम सुनकर ही लोग कांपने लगते हैं। अगर आपको किसी ऐसे बगीचे में जाने के लिए कह दिया जाए जहां से इंसान कभी वापस लौटकर नहीं आता और वहीं पर उसकी मौत हो जाती है। तो आप वहां जाना चाहेंगे। यकीनन आपका जवाब ना में होगा। ऐसा ही एक गार्डन है। जहां लोग जाना तो दूर वहां का नाम सुनकर भी घबरा जाते हैं। इस बगीचे में लोगों को कभी भी अकेले जाने की सलाह नहीं दी जाती। हमेशा लोग गार्ड के साथ यहां जाते हैं। कोई गलती से इस बगीचे में चला भी गया तो वह जिंदा लौटकर वापस नहीं आता। ये बगीचा यूनाइटेड किंगडम के नॉथबरलैंड में है। बगीचे का नाम अलन्विक पाइजन गार्डन्स है। इसे दुनिया का सबसे खतनाक गार्डन कहा जाता है। उत्तरी इंग्लैंड के सबसे सुंदर आकर्षणों में से एक है अलन्विक गार्डन। यहां के रंग-बिरंगे पौधे, मैनीक्योर किए गए टॉपियर, खुशबूदार गुलाब और कैस्केडिंग फव्वारों की पंक्तियां दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। अलन्विक गार्डन की सीमाओं में काले लोहे के दरवाजे पर साफ-साफ लिखा है कि फूलों को रुककर सूंघना तथा तोड़ना मना है। ये बगीचा अब जहर गार्डन नाम से मशहूर है। ये बगीचा 100 कुख्यात हत्यारों का घर है। इस बगीचे में जाने के बाद अगर जरा सी भी चूक हुई तो आपकी जान जा सकती है। बगीचे में घुसने से पहले प्रवेश द्वार पर चेतावनी लिखी है। इसके अलावा खतरे का निशान भी बनाया गया है। बगीचा करीब 14 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। बगीचे में करीब 700 जहरीले पौधे हैं। गाइड इन पेड़ों के जहरीले गुणों के बारे में आपको घूमने के दौरान बताएगा। इन जहरीले पौधों का इस्तेमाल शाही दुश्मनों को हराने के लिए किया जाता था।

# पिछड़ों का हक छीन रही भाजपा : अखिलेश

## जनवादी जनक्रांति महारैली में सपा प्रमुख ने भाजपा पर साधा निशाना

फोटो : 4पीएम

» किसान-नौजवान परेशान महंगाई चरम पर पहुंची

» समाज में फैलाई जा रही नफरत, उद्योगपतियों की भाजपा कर रही मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के पास नफरत के सिवाय और कुछ नहीं है। वे नफरत की राजनीति करते हैं। वे भाईचारा और गंगा जमुनी संस्कृति को खत्म करना चाहते हैं। भाजपा ने लोगों का हक और सम्मान छीना है और अपमानित किया है। इस बार का चुनाव ऐतिहासिक होगा। इसमें भाजपा की ऐतिहासिक हार होगी।**

लखनऊ के रमाबाई अम्बेडकर मैदान में जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) की जनवादी जनक्रांति महारैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज का नारा यही है कि 'भाजपा हटाओ, प्रदेश बचाओ,' 'नहीं चाहिए भाजपा।' इस सरकार से हर वर्ग के लोग दु:खी हैं। खुशहाली का सपना तब पूरा होगा जब आपकी सरकार बनेगी। चौहान समाज विकास में बहुत पीछे छूट गया है। भाजपा ने उसे पीछे कर दिया है। उन्होंने चौहान समाज से साइकिल को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों को धोखा दिया है। किसान को धान की कीमत नहीं मिली। खाद का अभाव है, बिजली, डीजल और बीज महंगा हो गया है। गन्ना किसान का बकाया नहीं मिला है। तीन काले कृषि कानून वापस हुए पर एमएसपी नहीं मिली। नौजवान बेरोजगारी का शिकार हैं। भाजपा के लोग उद्योगपतियों की मदद करते हैं। इन्होंने यूपी को विकास में पीछे कर बर्बाद कर दिया है। इस बार जनता इन्हें बदल देगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार हवाई जहाज ही नहीं, हवाई अड्डे भी बेच रही है। इसी तरह अन्य संस्थाएं भी बेच रही है। जब सब कुछ बिक जाएगा तो गरीब को हक, सम्मान और आरक्षण कहां मिलेगा? सरकारी संस्थान घाटे में है हवाई जहाज घाटे में, एयरलाइंस घाटे में। उद्योगपति फायदे में। भाजपा पिछड़ों की जनगणना नहीं कराना चाहती है। वह उन्हें हक और सम्मान नहीं देना चाहती है। समाजवादी सरकार आने पर जाति जनगणना कराई जाएगी और चौहान समाज को भी उसके अधिकार मिलेंगे। उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी सभी को जोड़ रही है। हमने कई दलों को जोड़ने का काम किया है। हमने कई रंगों को मिलाकर रंगीन गुलदस्ता बनाया है। सभी को जोड़कर प्रदेश का विकास करेंगे। भाजपाई एक रंगी लोग है, वे कभी खुशहाली नहीं ला सकते है।

---

### राजस्थान पंचायतीराज चुनाव

# कांग्रेस ने तय किया टिकट वितरण का फॉर्मूला

» पिछले चुनावों का प्रदर्शन दोहराने का दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**जयपुर। राजस्थान के चार जिलों में पंचायतीराज चुनावों का ऐलान होते ही कांग्रेस सक्रिय हो गई है। पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में हुई बैठक में चुनाव को लेकर रणनीति तय की गई। बैठक के बाद डोटासरा ने कहा कि प्रभारी मंत्री और पदाधिकारियों की टीम के साथ ही पंचायत समितिवार कॉर्डिनेटर भी लगाए जा रहे हैं।**

उन्होंने कहा कि ये टीमें आगामी तीन दिन के अंदर अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर मीटिंग करेंगी और पदाधिकारियों से चर्चा करेंगी। चर्चा करने के बाद सभी समीकरण देखते हुए टिकट के लिए योग्य प्रत्याशियों के नाम तय किए जाएंगे और उसके बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से टिकटों की घोषणा की जायेगी। डोटासरा ने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार की गुड गवर्नेंस और केन्द्र की भाजपा सरकार के खिलाफ एंटी इंकमबेंसी को देखते हुए इस चुनाव में भी कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहेगा। डोटासरा ने कहा कि राज्य सरकार ने कोरोना काल में बेहतरीन कार्य किया है। इसके साथ ही हर वर्ग को राहत देने के लिए कई योजनायें संचालित की हैं। कांग्रेस पिछले चुनावों का प्रदर्शन दोहराएगी।

---

# घुसपैठ कर रहा पाक आतंकी ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**जम्मू। राजौरी जिले के बिंबर गली में घुसपैठ कर रहा पाकिस्तानी आतंकी को सेना ने मार गिराया है। उसके पास से हथियार और अन्य सामग्री मिली है। घुसपैठ की आशंका को देखते हुए सेना ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया है। इसके अलावा सीमा पर सुरक्षा ग्रिड बढ़ा दी गई है। फिलहाल आतंकी की पहचान नहीं हो पाई है।**

पठानकोट में सैन्य शिविर के बाहर ग्रेनेड हमले के बाद कठुआ जिले में भारत पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भी चौकसी को काफी बढ़ा दिया गया है। संघर्ष विराम के बीच पाकिस्तान की घुसपैठ करवाने की ओछी हरकतों को नाकाम करने के लिए सुरक्षा एजेंसियां और भी सतर्क हो गई हैं। गुरुवार को बीएसएफ, एसओजी और सीआरपीएफ की ओर संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। विशेष रूप से एंटी टनल ऑपरेशन को अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे इलाकों में अंजाम दिया गया।

---

# सुखबीर बादल के करीबी जुझार के ठिकानों पर ईडी के छापे

» बड़े केबल नेटवर्क के मालिक हैं जुझार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

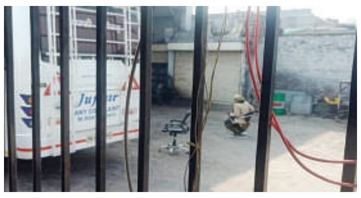

**चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के करीबी गुरदीप सिंह जुझार के प्रतिष्ठानों पर गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दबिश दी। उनके दफ्तर और घर को ईडी अफसरों ने खंगाला। पंजाब में ईडी आठ जगह पर दबिश देकर जांच कर रही है। गुरदीप सिंह जुझार पंजाब समेत पड़ोसी प्रदेशों में सबसे बड़े केबल नेटवर्क के मालिक हैं।**

ट्रांसपोर्ट के कारोबार में भी जुझार का नाम हमेशा टॉप पर रहा है। एक सप्ताह में दूसरी बार सुखबीर सिंह बादल के करीबी व्यक्ति के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसी ने कार्रवाई की है। इससे पहले लुधियाना के हलका दाखा से विधायक मनप्रीत अयाली के यहां आयकर विभाग ने तीन दिनों तक जांच की थी। इस दबिश को कांग्रेस प्रदेश प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू सही ठहरा रहे हैं। कुछ दिन से फास्टवे केबल के खिलाफ मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने मोर्चा खोल रखा है। वह बार-बार केबल माफिया पर लगाम कसने की बात कह रहे हैं जबकि बीते दिनों लुधियाना में चुनावी सभा में केबल चार्ज प्रति माह 100 रुपये करने का एलान कर चुके हैं। गौरतलब है कि लुधियाना की फर्म को लगभग दो सौ करोड़ रुपये के टेंडर जारी किए गए थे, जिसका दफ्तर गोबिंद नगर से चल रहा था। सूत्रों की माने तो सुरिंदर सिंह पहलवान को गुरदीप सिंह जुझार का करीबी माना जाता रहा है। ईडी के अफसर पहलवान की तरफ से किए घपले के लिंक को जुझार से जोड़कर देख रही है।

---

# कैप्टन के साथ गठबंधन से पहले सियासी जमीन का आंकलन कर रही भाजपा

» बूथ स्तर पर पार्टी की स्थिति का शुरू किया आंकलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**चंडीगढ़। भाजपा और कैप्टन अमरिंदर सिंह की नवगठित पंजाब लोक कांग्रेस पार्टी का समझौता होना लगभग तय है। भाजपा कैप्टन के साथ गठबंधन करने से पहले पंजाब में अपनी 'जमीन' का आंकलन कर लेना चाहती है। किसान आंदोलन के दौरान केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित रही भाजपा को सही मायने में यह भी नहीं पता है कि शहरी क्षेत्रों के बाहर उनकी असली स्थिति क्या है। यही कारण है कि भाजपा ने अब राज्य की सभी 117 विधान सभा क्षेत्रों में जाकर पर बूथ स्तर पार्टी की स्थिति का आंकलन करना शुरू किया है।**

यह फैसला पार्टी ने चुनाव प्रभारी व केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत दो दिन की बैठक के दौरान लिया। यही कारण है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह लगातार भाजपा के साथ गठबंधन करने की बात कर रहे हैं लेकिन भाजपा ने अभी तक अपने तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। कैप्टन तो यहां तक कह चुके हैं कि वह भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में चुनाव प्रचार के लिए जाएंगे। कैप्टन चाहते हैं कि भाजपा जल्द से जल्द उनकी पार्टी के साथ गठबंधन करने का फैसला ले क्योंकि कैप्टन की पार्टी का अस्तित्व भाजपा के साथ गठबंधन करने पर ही टिका हुआ है।

---

# अपने दम पर लड़ी कांग्रेस तो भाजपा को लगेगा झटका!

» सपा को मिलेगा फायदा भाजपा के कटेंगे वोट

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। विधान सभा चुनाव के पहले प्रदेश में सियासत चरम पर है। सपा प्रमुख अखिलेश एक के बाद एक छोटे दलों से गठबंधन कर रहे हैं। कई पार्टियां सपा के साथ हैं। क्या कांग्रेस भी सपा के साथ जा सकती है? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह, श्रवण गर्ग, अजय शुक्ला, डॉ. लक्ष्मण यादव, सपा की प्रवक्ता नाहिद लारी खान, कांग्रेस प्रवक्ता सृष्टि कश्यप और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।**

डॉ. लक्ष्मण यादव ने कहा, सपा-कांग्रेस में गठबंधन हो चुका है लेकिन उन्हें पराजय मिली है। सपा-बसपा गठबंधन भी सफल नहीं रहा। लिहाजा अखिलेश यादव छोटे दलों से गठबंधन कर रहे हैं। प्रियंका की सक्रियता मुखर रही है। कांग्रेस के सामने बड़ी चुनौती है कि वे कितना वोट दिला सकती है। कांग्रेस और सपा अलग-अलग लड़ती है तो इसका नुकसान भाजपा को होगा। सतीश के सिंह ने कहा, सपा बड़ी पार्टी है। कांग्रेस जानती है कि बिहार की तर्ज पर अखिलेश यादव यूपी में उसको पर्याप्त सीट नहीं देंगे। ऐसे में समझौता शायद ही होगा। अजय शुक्ला ने कहा, यदि कांग्रेस समझौता करती है तो उसे नुकसान होगा। यदि वह अकेले लड़ेगी तो सपा को फायदा होगा। यूपी में कांग्रेस का आधार वोट नहीं है। जहां आधार वोट है वहां सपा ना के बराबर है। ऐसे में वह भाजपा का वोट काटेगी। श्रवण गर्ग ने कहा, कांग्रेस और सपा को मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए। इसकी पहल अखिलेश को करना चाहिए। राजनीति बदल गयी है। पीएम मोदी को काफी मेहनत करनी पड़ रही है। नाहिद लारी खान ने कहा, सीएम योगी का क्षेत्र है वहां सपा ने उपचुनाव में शिकस्त दी थी। जनता ने भाजपा को नकार दिया। सृष्टि कश्यप ने कहा, कांग्रेस पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़ेगी और किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। कांग्रेस ही भाजपा को टक्कर दे सकती है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

## रात 12 बजे भी लड़कियां सुरक्षित वाले बयान पर घिरी भाजपा

# अमित शाह जी देखिए... मथुरा की बेटी को न्याय नहीं मिला तो उसने जहर खा लिया : संजय सिंह

### » गैंगरेप पीड़िता अस्पताल में भर्ती, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के मथुरा जिले में चलती कार में गैंगरेप की घटना में पुलिस द्वारा कथित रूप से केवल बलात्कार के मामले में परिवर्तित कर दिए जाने से दुखी पीड़िता ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की है। पीड़िता निजी अस्पताल में भर्ती है। इस बीच आगरा क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक ने अस्पताल जाकर स्वयं पीड़िता का बयान लिया है। पुलिस ने गैंगरेप के मुख्य आरोपी तेजवीर को गिरफ्तार कर लिया है तथा घटना में प्रयुक्त कार भी बरामद कर ली है।

वहीं इस घटना के बाद विपक्ष ने भाजपा को निशाने पर ले लिया है। समाजवादी पार्टी ने ट्वीट करके योगी सरकार पर हमला करते हुए लिखा- उप्र में दरोगा भर्ती की परीक्षा देकर लौट रही एक युवती के साथ गैंगरेप व उस पीड़िता के जहर खाने की खबर बेहद दुर्भाग्यपूर्ण व निंदनीय है। संवेदनहीन भाजपा सरकार बताए कि इस अपराध के दोषियों का एनकाउंटर कब होगा? उप्र में कानून-व्यवस्था ही सामूहिक दुष्कर्म का शिकार हो गई है।

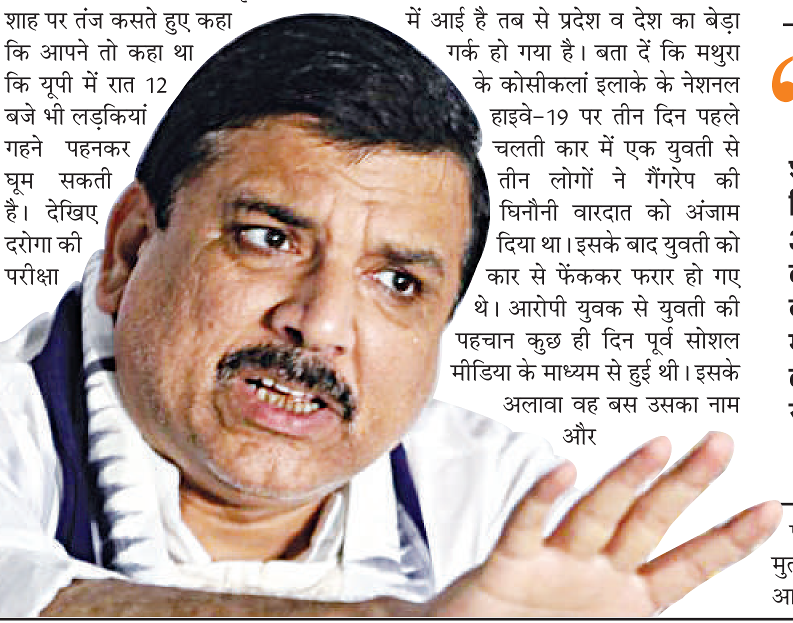

आम आदमी पार्टी ने गृहमंत्री अमित शाह पर तंज कसते हुए कहा कि आपने तो कहा था कि यूपी में रात 12 बजे भी लड़कियां गहने पहनकर घूम सकती है। देखिए दरोगा की परीक्षा देने गई एक बेटी के साथ गैंगरेप हुआ, न्याय तक नहीं मिला तो उसने जहर खाकर अपनी जान देने की कोशिश की। आज ये हाल है यूपी में बेटियों की सुरक्षा का। आरएलडी व कांग्रेस ने भी भाजपा को घेरते हुए कहा कि जब से यह डबल इंजन की सरकार सत्ता में आई है तब से प्रदेश व देश का बेड़ा गर्क हो गया है। बता दें कि मथुरा के कोसीकलां इलाके के नेशनल हाइवे-19 पर तीन दिन पहले चलती कार में एक युवती से तीन लोगों ने गैंगरेप की घिनौनी वारदात को अंजाम दिया था। इसके बाद युवती को कार से फेंककर फरार हो गए थे। आरोपी युवक से युवती की पहचान कुछ ही दिन पूर्व सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी। इसके अलावा वह बस उसका नाम और फोन नंबर ही जानती थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक उत्तर प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग ने मथुरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को मामले की जांच किसी क्षेत्राधिकारी स्तर के अधिकारी से कराकर 24 घंटे में रिपोर्ट दिए जाने के निर्देश दिए हैं।

**"परीक्षा देकर लौट रही युवती से सामूहिक दुष्कर्म की घटना से पूरा प्रदेश स्तब्ध है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर सपा का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़िता के परिवार से मुलाकात करेगा। घटना की जांच कर अखिलेश यादव को रिपोर्ट सौंपी जाएगी।**
– निधि यादव, प्रवक्ता सपा

**"मुझे कहते हुए ये शर्म आती है कि यूपी में आए दिन बेटियों के साथ अत्याचार व दरिंदगी हो रही है और भाजपा मौन है। लड़की हूं लड़ सकती हूं की सरकार आने पर ही बेटियां सुरक्षित होंगी।**
–शुचि विश्वास श्रीवास्तव, प्रवक्ता कांग्रेस

**"हाथरस, उन्नाव व जौनपुर की घटनाएं इस बात का गवाह है कि भाजपा राज में बेटियां सुरक्षित नहीं है। अब अमित शाह को जवाब देना चाहिए कि यूपी में रात 12 बजे भी लड़कियां गहने पहनकर घूम सकती है तो फिर मथुरा की घटना पर जनता पर्दा डाल लें क्या।**
–रोहित अग्रवाल, राष्ट्रीय प्रवक्ता, आरएलडी

## फ्री कोचिंग के लिए कक्षाएं अगले सप्ताह से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए शुरू हुई मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना (निशुल्क कोचिंग) के प्रति अभ्यर्थियों की रुचि बढ़ी है। यही वजह है कि सत्र 2021-22 में सिविल सर्विसेज, नीट, एनडीए और जेईई कोचिंग के लिए हुई परीक्षा में पिछले आंकड़ों की तुलना में अधिक अभ्यर्थी चयनित हुए हैं। कक्षाएं शुरू होने से पहले इनका पंजीकरण शुरू हो गया है। पहले दिन लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी सेंटर में इसके लिए अभ्यर्थियों की भीड़ जुट गई। अगले सप्ताह से निशुल्क कक्षाएं शुरू करने की तैयारी है।

दरअसल, ऐसे विद्यार्थी जिनके पास प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पैसे नहीं होते हैं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके लिए इसी साल बसंत पंचमी पर अभ्युदय योजना की शुरुआत की थी। इसमें एक सामान्य परीक्षा होती है, जिसमें चयनित अभ्यर्थियों को नीट, जेईई, सिविल सर्विसेज और एनडीए की तैयारी कराई जाती है। कई आईएएस और पीसीएस भी इसमें कक्षाएं लेते हैं।

## उमाशंकर बने बसपा विधानमंडल दल के नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह को बसपा विधानमंडल का नेता नियुक्त किया है। विधानमंडल दल के नेता शाह आलम उर्फ जमाली ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दिया था, तभी से यह पद खाली चल रहा था।

**»बलिया के रसड़ा से विधायक हैं उमाशंकर**

बलिया के रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से सदस्य उमाशंकर सिंह 2012 के बाद 2017 में मोदी लहर में भी चुनाव जीते थे। रसड़ा विधानसभा क्षेत्र को फ्री वाई-फाई सेवा दिलाने वाले उमाशंकर सिंह को विधानमंडल दल का नेता घोषित करने के बाद बसपा मुखिया मायावती ने उनको बधाई भी दी है। मायावती ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि मैं आपको यह बताना चाहती हूं कि हमारी पार्टी के वरिष्ठ विधायक उमाशंकर सिंह को बीएसपी विधानमंडल दल का नेता बना दिया गया है। इनको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। एसोसिएशन आफ डेमोक्रेटिक रिफार्म (एडीआर) ने उत्तर प्रदेश के विधायकों की जो कुंडली जारी की है, उसके अनुसार रसड़ा से बसपा के विधायक उमाशंकर सिंह अधिक सम्पत्ति वाले प्रदेश के टॉप दस विधायकों में हैं। बसपा विधायक उमाशंकर सिंह का नाम नौवें नम्बर पर दर्ज है। रसड़ा विधायक उमाशंकर सिंह आयकर विवरण में सबसे ज्यादा वार्षिक आय घोषित करने वाले विधायकों में शीर्ष पर हैं।

# संविधान से खिलवाड़ करने वाली भाजपा के दरवाजे बंद कर देगी यूपी की जनता : अखिलेश

### » लोकतंत्र की आत्मा है हमारा संविधान, इसे बचाना संकल्प है हमारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में भी संविधान दिवस पर कई समारोह हुए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भारत संविधान दिवस पर लखनऊ में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा संविधान को बचाने के लिए बाबा साहेब ने अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया। इसलिए बाबा साहेब के आदर्शों से हम समझौता नहीं करेंगे। बीजेपी को हराकर ही दम लेंगे। संविधान को बचाने के लिए समाजवादी पार्टी हमेशा संघर्षरत रहेगी।

अखिलेश ने कहा, जिन्होंने हमें संविधान दिया, सबको बराबरी का हक मिला। वैसे ही हक आप लोगों को देने का प्रयास करेंगे। अखिलेश ने कहा लोकतंत्र की आत्मा है हमारा संविधान। यूपी की जनता इस बार भाजपा के दरवाजे बंद कर देगी, क्योंकि उन्होंने संविधान से खिलवाड़ किया है। काले कानूनों की वापसी बताती हैं कि भाजपा के दिन अब कम ही बचे हैं। 600 किसान शहीद हो गए, जनता उसका बदला भाजपा से लेकर रहेगी। रैली में भाजपा की पूर्व सांसद सावित्री बाई फुले ने बाबा साहेब को याद करते हुए भाजपा को जमकर घेरा। वहीं काशीराम की बहन स्वर्णकार ने भी मायावती पर निशाना साधा कहा, इस बार अखिलेश की सरकार बनानी है। वहीं ओमप्रकाश राजभर ने कहा बाबा साहेब ने मंच पर बोलने का हमें अधिकार दिया। हम उनको नमन करते हैं और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेते हैं। साथ ही ये संकल्प भी लिया कि जब तक भाजपा की विदाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।